कार्यवाही विवरण

मेसर्स भाटिया एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–लोखण्डी, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में प्रस्तावित कोल वॉशरी (वेट प्रोसेस) –1.25 मिलियन टन/वर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् **दिनांक 22/02/2023 को प्रातः 11:00 बजे शासकीय हाई स्कूल खेल मैदान लोखण्डी, ग्राम–लोखण्डी, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार मेसर्स भाटिया एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–लोखण्डी, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में प्रस्तावित कोल वॉशरी (वेट प्रोसेस) –1.25 मिलियन टन/वर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय समाचार पत्र दैनिक भास्कर, बिलासपुर में दिनांक 19/01/2023 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र बिजनेस स्टैण्डर्ड, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 19/01/2023 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तद्नुसार लोक सुनवाई **दिनांक 22/02/2023 को प्रातः 11:00 बजे शासकीय हाई स्कूल खेल मैदान लोखण्डी, ग्राम–लोखण्डी, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कार्यालय कलेक्टर बिलासपुर, कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिलासपुर/तखतपुर, जिला–बिलासपुर, महाप्रबंधक, कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बिलासपुर, क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, सरपंच/सचिव, कार्यालय ग्राम पंचायत–तुरकाडीह, निरतू, जोंकी, हाफा, लोखण्डी, घुटकू, भाडम, भरनी, तहसील–तखतपुर, कार्यालय ग्राम पंचायत–कोनी, सेंदरी, मंगला, घनापार, देवरीकला, सकरी, तहसील–बिलासपुर जिला–बिलासपुर (छ.ग.), डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, मुख्य वन संरक्षक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक,

सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को एक भी आवेदन पत्र प्राप्त नहीं हुआ हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि **दिनांक 22/02/2023 को प्रातः 11:00 बजे शासकीय हाई स्कूल खेल मैदान लोखण्डी, ग्राम–लोखण्डी, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री आर. एस. कुरवंशी, अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ देवव्रत मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से **सुमित झा, श्री नरेश कुमार निसाद, ऐनाकॉन लेब्रोटरीज प्राईवेट लिमिटेड, नागपुर** के द्वारा मेसर्स भाटिया एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–लोखण्डी, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्रीमती सावित्री यादव, ग्राम–गतौरा स्टेशन** :– भाटिया कोल खुले और सब को रोजी–रोटी मिले। सब शांतिपूर्वक बनाये रखे। रोजी–रोटी सब को मिलना चाहिए।

2. **श्रीमती मीरा, ग्राम–घुटकू घनापार** :– हमको काम मिलना चाहिए कोल वॉशरी में हम आपका सहायता कर रहे है। गरीब आदमी है आठो महीना, बारो महीना काम मिलना चाहिए।

3. **श्री राकेश तिवारी, ग्राम–हाफा, पूर्वजनपद सदस्य** :–जनसुनवाई के लिए जो इस्तिहार प्रकाशित कराया गया था। ऐसा इस्तिहार बनाया गया था उस इस्तिहार में अभी तक तहसील का नाम तखतपुर लिखा गया है। क्या ये इस्तिहार आपके न्यायालय में आता है थोडा सा त्रुटि रहता है तो जनसुनवाई निरस्त कर देते है। या किसी का पेशी निरस्त कर देते है। क्या आज ये जनसुनवाई निरस्त होगा ? ऐसे भम्रित करते हुए एक इस्तिहार बनाया गया है और वो इस्तिहार पहले से उद्योगपतियों द्वारा कोल वॉशरी को संचालित करने वाले लोग रहते है। उनके द्वारा इस्तिहार को दिया जाता है। बात रख लें। सबसे पहला तथ्य तो ये है। दूसरी चीज मैं जानना चाहता हूॅ कि जन सुनवाई है कि पहले से हमारे सम्मानीय अधिकारियों को डर है कि हमारे कानन पेंडरी में पिंजडे में वहां शेर, भालू को ररखा जता है। वैसी पिंजडा बना के यहं जनसुनवाई रखा जा रहा है। ये समझ से परे है ये आम जनता का जनसुनवाई है कि यहां कोल वॉशरी को संरक्षण देने के लिए प्रशासन द्वारा पहले से ही प्रकोण्डना कर दिया गया है। पिछले एक सप्ताह से कोल वॉशरी में गांव–गांव में पंडा घूम कर सरपंचो से और जितने भी जनप्रतिनिधि है कार्यकर्ता है उनसे हस्ताक्षर करा रहे है। गांव–गांव में घूमकरके अपने पक्ष में वो आवेदन ले रहे है। ये भी सोचनीय व चिंतनीय विषया है। क्या अब घर में बैठे–बैठे जन सुनवाई कर लें। इसके बाद भी ये जन सुनवाई आयोजित किया गया है। मेरे से पहले प्रवक्ता मेरी मां है। मैं बार–बार उनको प्रणाम करता हूं। आपकी तरह मेरी भी मां है आप गतौरा से आकर रोजी रोजगार की बात कर रहे है। गतौरा के लोगों के यहां रोजी–रोजगार यहां नहीं मिलेगा। रोजी–रोजगार यहां के लोगों को रोजगार मिलेगा। किसको रोजी–रोजगार यहां के लोगों को मजदूर बनाया जायेगा। अभी एक साल नहीं बिता है। पिछले मार्च अप्रैल महिने में घनापार में जो कोल वॉशरी संचालित है। पूरे घनापार के लोंग पूरे 5 दिन तक बिना खाये पिये धरना प्रदर्शन बैठे थे। और यही प्रशासन के लोग उनको गलत प्रशासन देकर यहां एसडीएम, एसपी लोग उनको झूठा आश्वासन दिया गया था।

और वहां कोल वॉशरी संचालन के लिए समय मांगा था। आज तक उनके वादे का क्रियान्वयन नहीं हुआ है। ये अभी आपको कहेंगे कि वृक्षारोपण करेंगे। यहां पर 03 कोल वॉशरी संचालित है। आप जाकर देख सकते है कि कोल वॉशरी में कितने पौधे लगाये गये है। ये कहेंगे आपको पचरी बनाके देंगे, आप पता करले घुटकू, लोखडी, निरतू, घनापार कहां ये पचरी बना कर दिये है। आप कहीं भी गांव में जाकर देखिये भाईयो–बहनो, माता–बहनों उस तालाब में खोखर में जिस समय हम नहाने जाते थे आज वो नहाने जाने को तैयार नहीं होता है वो अपने घर के टेप नल में नहा रहा है। क्यो नहीं नहा रहा है इसलिए नहीं नहां रहा है वहां पर मोटी मोटी काली–काली परते जमी हुई है। बाहर से धूम्रपान नहीं करते है तो यहां से हम लोग धूम्रपान कर रहे है। ये सोचने की बात है, चिंता का विषय है। अनाज के उपर जो धान का छिलका रहता है उसमें काला रहता ही है उसके जो चांवल रहता है चांवल में भी काला पन आने लगा है। कैसे नहीं हमको कैंसर होगा। कैसे हमको कोई भी बीमारी होगी। आने वाले नस्ल को और भयानक ये कोल वॉशरी से मिसाल तो देखना पडेगा। ये कोल वॉशरी हमरे मौत के कुआं से उत्तम साबित होने वाला नहीं है। मैं आपसे हाथ जोड के निवेदन करता हूँ जो भी यहां समर्थन में आयेंगे वो सोच समझ के आत्मा से, आने वाले पीढी को सोच कर यहां अपनी बात को रखेंगे। अनयथा किसी पंडे से डरने की जरूवत नहीं है, हम यहां बैठे है। हमारी जान चले जायेगी, हम आपकी सुरक्षा करेंगे। हम अपनी अंतर आत्मा की बात करेगें। कोई भी पूर्व में आयोजित यहां पर आवेदन लाकर जमा न करें। वास्तव में क्या है ये जनसुनवाई को आपकी अंतर आत्मा से आपकी आवाज आये, हॉ समर्थन में होना चाहिए, तो समर्थन में होना चाहिए, करिये। रोजी रोजगार की बात करते है 03 कोल वॉशरी है। कितने लोगों को रोजगार मिला है इस क्षेत्र में। आज 10,000, 5,000 20,000, 25,000, 50,000 छोटे–छोटे जनप्रतिनिध बिक जाते है और उसके बाद वो जनप्रतिनिधि घुटकू में जब कोल वॉशरी खुला तो वहीं उन लोग विरोध, समर्थन में खडे थे। आज खून के आंसू रो रहे है। घुटकू और घनापार के लोग मजाक बात नहीं कर रहा हूँ, झूठी बात नहीं कर रहा हूँ यहां आये होंगे। घुटकू और घनापार के लोग डम्फर में आये है। कैसे आया डम्फर ये कोल वॉशरी के लोग लेकर आये है। गतौरा से हमारी माँ आई है ये सोचने वाली बात है और आकर बोलती है कि रोजी–रोजगार मिले। ये बात साचने की बात है। ऐसी बात न करें। 10,000 व 5,000 के चक्कर में अपने आने वाली पीढी की हत्या न सोचे। यहां पर सब धूम्रपान कर रहे है, इस क्षेत्र में रहते है। मैं अपना विचार रखना चाहता हूँ। कि यहां पर कोल वॉशरी न लगाया जाये, पहला बिन्दु। कोल वॉशरी

क्योंकि जान है तो जहान है। आप सडक बना देंगे, पानी बिजली सडक हो जायेगी। क्या आप जान दे सकेंगे, आने वाला पीढी आप के बच्चे होंगे। आप के भी बच्चे होंगे। आप के बच्चों को भी हमारे क्षेत्र के बच्चो की तरह वायु प्रदूषण से जूझना पडेगा, तो आप क्या सोचेंगे। एक बार हस्ताक्षर करने से पहले आप सोंचे। यदि आपको लगाने की जरूवत है ही तो दृढसंकलप है। तो मेरा यह कहना है कि यहां कम से कम 30 किमी को स्थापित किया जाये, हटा दिया जाये। बेघरबार कर दिजीए। नही ंतो आने वाले 5 साल में बेघरबार होना पडेगा। आज हमारे यहां खेती के लिए भूमि है। वो आज 50 लाख है तो कोल वॉशरी लगने के बाद 5 लाख के लेने के लाईक नहीं रह जाएगा। न तो यहां खेती होगा, और न यहां आवासी व्यवस्था होगा। ये बिन्दुओं को सोचने की जरूवत है और इसके बाद ही कोल वॉशरी की स्थापना हम कोई नये आदमी नहीं है। जो इस क्षेत्र में यहां 3 कोल वॉशरी स्थापित होता है। इस आसपास में 20–25 किलोमीटर में आप छत है उसमे नंगे पैर चले जायेंगे तो ऐसा लगेता है कि पूरा नीचे कोयले का खदान है। इस चीज को हम बर्दाश्त कर रहे है। कल हमारे सरपंच और पंचायत प्रतिनिधियों के पास ये कोल वॉशरी के लोगों ने समर्थन मांगने धन, दम, ताकत सभी का प्रयोग किया लेकिन हमारे गांव के सरपंच भाई संदीप मिश्रा जी, हमारे पूर्व सरपंच विजय भौमिक जी, और हमारे जनपद उपाध्यक्ष भाई नितेश राजा जी सभी और पूरे ग्रामवासी ग्राम पंचायत हाफा की ओर से हम विरोध करते है। किसी भी प्रकार से यहां कोल वॉशरी की स्थापना यहां पर नहीं होना चाहिए। यदि आप लोग के द्वारा गलत हथगंडना अपना करके किया जायेगा। तो आप जनहित याचिका के लिए तैयार रहेंगे। इन बिन्दुओं को भी आप ध्यान में रखेंगे, और कोल वॉशरी को लगने के पहले हमारे सरपंच द्वारा शराब भट्ठी को हटाने की मांग की तो प्रशाासन के लोग गांव के खिलाफ एफआईआर लिख दिया था। उसको भी हम झेल चुके है, और उस शराब भट्ठी को हटा करके ही दम लिया था। अपने गांव के सरहद से हटाया। ऐसे लोग हाफा में क्रांत्रिकारी लोग है। और इस प्रकार से आपके द्वारा प्रकोगण्डा करके प्रस्ताव पारित कराया जायेगा। तो आपके कार्यालय के सामने भूख हड़ताल व धरना प्रदर्शन भी करेंगे। इस चीज को आप नोटिस में लेकर प्रस्ताव को आगे बढायेंगे। इन सभी बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षण कराते हुए निश्चित तौर पर आज हम हाफा से आये है कोई जगह ऐसा नहीं था कि हम रूककर नंगे पॉव खडे हो सके। पूरा कोयला का दलदल क्षेत्र बन चुका है। इस दलदल से आपसे गुजारिश है इस दलदल से इस क्षेत्र की जनता को बचा लो सर। यही आप लोगों से गुजारिश है और इसके बाद भी आप ध्यान नहीं देंगे तो आगे हमारा धरना

प्रदर्शन, जनहित याचिका के लिए सुरक्षित रखा हुआ है। आपके जो कार्यवाही है उसके लिए प्रश्नवाचक जीवन भर लगा रहेगा। इस बिन्दुओं को भी आप ध्यान आकर्षण में रखेंगे और अन्य भाईयों से भी निवेदन करूंगा कि आप लोगों को कोई डरने की जरूवत नहीं है। आप लोग के मरने के पहले मैं मरूंगा और मेरे गांव के लोग मरेंगे। जितने लोग नहीं है उतने हमारे खाकी वर्दी के भैया लोग है। चाहेंगे तो सभी को निपटा सकते है। ये लोकतंत्र है गांधी जी जब अकेले चले थे तो पिछे मुढके नहीं देखे थे। इस लोकतंत्र में हम आगे चलेंगे, आगे बढेंगे और जितने भी जनप्रतिनिध है उनको विरोध करना चाहिए। कोई जनप्रतिनिध इनकी लुभावना में आकर के, या इनके भम्रक में आकर के अपनी बात नहीं रखेगा तो इतिहास उन्हें जनप्रतिनिधियों को कभी माफ नहीं करेगा। जो–जो जनप्रतिनिधि घर में घुस गये है उनके लिए जीवन में वास्तव में इस क्षेत्र की जनता उसको कभी माफ करने वाली नहीं है। इस चीज को भी आप ध्यान में रख ले, नोटिस में रख ले। यहां बैठे है इसमें 50 प्रतिशत लोग कोल वॉशरी के हमारे कथा कथित लोग भाटिया ग्रुप एण्ड संस उन लोग के द्वारा ही लाया गया है। अनावश्यक आप यहां उनके समर्थन में अपना परिचय देंगे। इस क्षेत्र के होंगे तो बात करेंगे। अन्यथा आप बाहर के रहेंगे रोजी–रोजगार के लिए कोशिश नहीं करेंगे। इतना आपसे निवेदन कर रहा हूँ। आप लोग से पुनः कोल वॉशरी के खिलाफ में बोलने के लिए खडा हुआ हूॅ। अंतिम तक जब तक मेरी सांस रहेगी तब तक इस कोल वॉशरी का विरोध करते रहॅूगा और हमारे हांफा के लोग भी विरोध करेंगे। ऐसा नहीं नहीं कि कोई प्रलोभन में आ जाये जिनको प्रलोभन में आना था। वो आ गये है हमको सभी को मालूम है। ऐसे जनप्रतिनिधियों को भविष्य में मुंह तोड जवाब भी इन जनता के द्वारा मिलेगा।

4. **श्री सूरज यादव, ग्राम–निरतू पंचायत पंच** :–उद्योग कई विरोध करते है कई रोजगार का समर्थन करते है। हमारे क्षेत्र में दो–दो मेरे जानकारी में कोल वॉशरी संचालित है। हमारे जो गांव के स्थानीय लोग है पहले देखा करता था। निरतू, घुटकू से लोग काम करने बिलासपुर जाते थे। बृहस्पति, शनिचरी में। दिन भर समय बिताने के बाद भी वहां पर काम नहीं मिलता था। आज हमारे बिलासपुर छत्तीसगढ़ में कहां जाये हमारे हिन्दुस्तान, विश्व में बडे–बडे उद्योग है। जहां प्रदूषण कहा जाये जहां अनेको प्रकार की। लेकिन उद्योग से विकास होता है। जहां तक अभी हमारे कोल वॉशरी बनने से ऐसा प्रदूषण विभाग का देखरेख रहता है, प्रशासन का रहता है। ऐसा नहीं है कि कोई जबरदस्ती केपिसिटी में लगाया

जाता है। जैसे कि अभी 02 कोल वॉशरी संचालित है। हमारे गांव में उनको गोद लिया गया है। पचरी निर्माण तालाब और दुख–सुख में भी गरीबो की शादी में, खेलकूद में कोल वॉशरी के माध्यम से उनको जन सहयोग किया जाता है। मैं चाहता हूॅ यहां भी भाटिया जी का कोल वॉशरी खुलने में स्थानीय गांव के आसपास के जो टेक्नीकल, पढे लिखे उनको उच्च स्तर में भी काम दिया जाता है। मजदूर वर्ग के काम है उनको भी काम दिया जाता है। यहां पर कोल वॉशरी खुलने से कोई बहुत बडी क्षति नुकसान नहीं होता। मैं विगत वर्षो से देख रहा हूॅ। हमारे आसपास गांव का जैसे लोखण्डी में खोल रहा है। लोखण्डी के स्थानीय लोगो का निरतू जो सभी टेक्नीकल काम काज जो आज बाहर जा के बडे–बडे उद्योग में हमारे गांव के लोग, बच्चे लोग काम करते है। बैगलोगर, महाराष्ट्र कहां–कहां काम करते है। कोई अधिकारी नहीं है वो लोग उद्योग में काम करते हैं ऐसा नहीं है आपको अपने परिवार में यही पर एक काम मिलेगा। मेरे गांव के निरतू के समर्थन में कम से कम 300–400 से लोग आये हुए है पूछ लीजिए इनसे। सभी लोग यहां कार्य कर रहे है। अपने–अपने बच्चो का जीवन यापन कर रहे है। इनको दर–दर रोजी–रोटी के लिए भटकना नहीं पडता है। जितने भी आये हुए है जनप्रतिनिधियों हमारे आसपास गांव के जितने भी अधिकारी है। उनसे आग्रह करता हूॅ काफी विकास होता है। छोटी–छोटी समस्या है ये कोल वॉशरी खुलने से समस्या का हल होता है। उनकी सहयोग होती है। गरीबो का सहयोग होता है। जो गांव के लोग बीमार रहते है वो लोग का इलाज कराया जाता है सहयोग किया जाता है। आज जा के देखिये, कोई किसी का सहयोग नहीं करता है। सब ऐसा नही है, मैं स्वतंत्र हूॅ और ये जनसुनवाई में हर कोई स्वतंत्र है। कोई दबाव में नहीं है। मुझे कोई नहीं खरीदा है। कोयला वाली बात नहीं है भाई साहाब। ऐसा नहीं बोलिये मैं अपना प्रस्ताव रख रहा हूॅ। मैं समर्थन में बोल रहा हूॅ। आप भी बोलिये हर कोई स्वतंत्र है। मेरा सोच है कि भाटिया इंटरप्राईजेसस कोल वॉशरी का समर्थन करता हूॅ मेरे गांव वाले निरतू वाले भी समर्थन करते है। सब हाथ उठा दे।

5. **श्रीमती फुलकुवंर, ग्राम–करहीपारा निरतू** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए। जनता को रोजी रोटी मिलना चाहिए।

6. **श्रीमती शांतिबाई, ग्राम–करहीपारा निरतू** :–कोयला डिपो खुलना चाहिए। रोजी रोटी मिलना चाहिए।

7. **श्रीमती बृजबाई ग्राम–करहीपारा निरतू** :– कोयला डिपो खुलना चाहिए। गरीब के पेट भरना चाहिए।

8. **श्रीमती अघ्घन बाई, ग्राम–करहीपारा निरतू** :– मिलना चाहिए हमला काम बुता। खुलना चाहिए।

9. **श्री खगेन्द्र दुबे, ग्राम–हाफा** :–मैं. 02 खेत के नीचे में किसान हूॅ। मेरा धान नहीं बिकता सोसायटी में रिजेक्ट है करके ये, अपना धान किसान राईस मिल में बेचता हूॅ। है। 1480 रूपये में बेचा हूॅ मैं। यहां से 3 खेत के नीचे मेंरा खेती है 8 एकड़। उसमें धान नहीं होता है, काला हो जाता है। जानवर पैरा को खाते नहीं है, मेरे को सांस का बीमारी है, मेरे को एलर्जी हो गया है। कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। नही ंतो मैं आत्मदाह कर लूंगा।

10. **श्री राकेश कुमार चौबे, अधिवक्ता ग्राम–मंगला** :– कोल वॉशरी का विरोध कर रहा हूॅ। इसलिए विरोध कर रहा हूॅ कि कानून ने प्रावधान दिया है। दावा आपत्ति का प्रावधान होना चाहिए। जन सुनवाई का कार्यक्रम आज कोल वॉशरी खुलने से मंगला के पूरे घर में काला राखड को कोयला जा रहा है और दमा की बीमारी से लोग परेशान हो रहे है। एक मंगला ही नहीं हाफा, सकरी, हमारे लोखण्डी, तुर्काडीह, आपको ये बता देता हूॅ उद्योग के नियम के तहत् प्रावधान है कि जो हरी भूमि की जमीन है। हरा भरा क्षेत्र है ऊपजाउ जमीन। वहां पर उद्योग लगाने का प्रावधान नहीं है। उसके लिए आप बंजर भूमि शासन का प्रावधान है कोर्ट का भी प्रावधान है। जो बंजर भूमि है वहां उद्योग दिया जाये। ये जो क्षेत्र है लोखण्डी, हाफा, तुर्काडीह यहां पर बेचारे गरीब किसान निवास करते है। इनके द्वारा मार्केट में सब्जी ले जाकर बेचते है। उसका हम लोग उपभाग करते है। जिसके चलते अगर हम उपभोग कर रहे है। हमको अगर जहरीली सब्जी मिलेगी। हम क्षेत्र के लोग नहीं चाहते की इस प्रकार की पुर्नमुक्ती हो। ये जो कोल वॉशरी खुल रहा है। जनहित में नही है स्वार्थहीत में है। इससे वातावरण प्रदूषित होगा। इससे बीमारी फैलेगी। अगर आपके द्वारा मैं अल्टीमेंटम दे देता हूॅ। अगर आपके प्रशासनिक अधिकारी इसको खोलवाने का प्रयास करेंगे। तो मैं राकेश कुमार चौबे मैं पीआईएल लगाउंगा। पीआईएल में आपको व्यक्तिगत पाटी बनाकरके खडे करूंगा। जो भी नुकसान होगा। उसकी जिम्मेदारी आप की होगी। यहां तक के मैं

शासन से मांग करूंगा कि आप लोग कर्मचारी जितने भी सिटी में बसते है ना सभी का भवन यही कोल वॉशरी के पास शासकीय भवन बनाये जाये। जहां परिवार के लोग रहेंगे। अगर आपके द्वारा जनहित की नीति अपनाई जायेगी। तो क्रांति पहले अगाज हुआ था। फिर हम क्रांति करेंगे। चाहे हमें रोड में आना पडेगा। चाहे हमको कुछ भी उठाना पडेगा कलम हो या तलवार हम दोनो को उठाने के लिए तैयार है।

11. **श्री बलराम पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :– हमर गांव मा लगभग 90 प्रतिशत आबादी खेती मा निर्भर है। जेमा कोयला डिपो वर्षो से खुले हे। जब से भारी नुकसान होवत हे। हमर जैसे भिंडी ला तोडथन पूरा काला–काला हो जाथे। कोयला डिपो सबसे खुलथे, तो ओला सबसे पहले बाउण्ड्री कर देथे। आगे–पीछे किसान मन ला आये जाये मा बहुत परेशानी होते। प्लस पानी के समस्या होते खेती बर। ऐ हूॅ एक ठोक कारण हे। धान ला बेचे जाथन मंडी मा तो मंडी वाला ओला रिजेक्ट कर देथे कि धान तोर करीया है फलाना है ढेकाना है। वोहू मन ला कमीशन खोरी होते पैसा मांगथे। जेमा किसान मन ला बहुत परेशानी होथे। जेकर कारण कोयला डिपो के मैं विरोध करना चाहत हव। गाडी–घोडा वाला मन आथे ट्रक ड्राईवर गांजा दारू के नशा मा चुर रहते। सब्जी बेचे महिला मन या खेती करे महिला मन ला छेडछाड करथे। विगत वर्षो से मैं देखत हव। किसान मन सब्जी ला गाडी मा लेकर जाथन वोहू लाये मा बहुत दिक्कत होथे। अभी भी जैसे हमर लोखण्डी–जोंकी वाला रास्ता है। वो इतना खराब है कि गाडी–घोडा चलना मुश्किल है। पैदल चलना भी बहुत मुश्किल है। जेखर से मैं खुलकर विरोध करना चाहत हव। फाटक के पास अधिकारी मन जाकर खडा होही। कम से कम हवा मा 40 प्रतिशत अशुद्वि है। परेशानी तो चारो तरफ हे। एक महीना पहले हमर गांव मा फाटक के पास ये कोयला डिपो वाला मन गार्ड रखे रहते गनमैन, गनमैन नशा मा गोली चला दिस। फायरिंग कर दीस। एकर से ये दिक्कत है। फायरिंग कर दिस तो जानवर है गाय बछरू मन हे। लईका मन खेलत रहीस हे तो उनमन ला गोली लग सकत रहीस। भगवान के दया के कारण कोखर ला गोली नहीं लग सकीस। ऐहू एकतो दिक्कत हे दादा गिरी के बात हे। आउ कुछ नहीं हे। ऐखर खुल के विरोध करना चाहत हव। आग्रह करत हव की हमर गांव ला मुक्ती दे दे।

12. **श्रीमती उमा श्रीवास,** :– मोर घर के पास चार ठोक पुल बना दिये हे। कोई व्यवस्था नई बानाये हे। मोर बेटा मर गये 3 साल के, ओला निरासीत नहीं मिले। आये मोर माटी के घर के हे। घर छोड के कहां जाउ।

13. **श्री सीमा लहरे, ग्राम–लोखण्डी** :– हमर यहां कोयलाा के बहुत समस्या है। लईका मन ज्यादा स्कूल नई जा पावत हे। कोयला डिपो बंद कराना चाहिए। हमर लईका मन अच्छे से नई पढ पावत हे। धूल मिट्टी बहुत बढ़ जात हे। बहुत जल्दी कार्यवाही किया जाये।

14. **श्रीमती कंचनमानिकपुरी, ग्राम–लोखण्डी** :– लोखण्डी मा कोल वॉशरी नहीं होना चाहिए। बच्चा मन के बहुत तबियत खराब हो जावत हे।

15. **श्रीमती विन्नी डहरिया, ग्राम–लोखण्डी** :– यहां बच्चा मन स्कूल मा नहीं पढ़ पावे। डस्ट के कारण बहुत बीमार पड़त हे। कोयला डिपो नहीं होना चाहिए। बिल्कुल यहां कोयला डिपो बंद होना चाहिए। ऐखर विरोध करथन।

16. **श्री संतोषी श्रीवास, ग्राम–लोखण्डी** :–लोखण्डी से कोयला डिपो पूरा बंद होना चाहिए। ओव्हर ब्रीज मा गार्ड लगना चाहिए। कपडा लता तक सब गंदा हो रहा है। कोयला डिपो तो खोल दिया। कोयला डिपो वाला को बंद करना चाहिए।

17. **श्री विनय गढेवाल, ग्राम–लोखण्डी, आमआदमी पार्टी तखतपुर विधानसभा** :– हमारे गांव में पूर्व में कोल वॉशरी यहां रहा है। गांव के कोने कोने में धूल तो पहुंच जाता है। किसी एक कोने का नाम बता दिजीये जो हमारे गांव के लोग उनके समर्थन में आये है। कोल वॉशरी से कार्य हुआ है। किसी भी कोने में कार्य नहीं किया जाता। पेड पौधे लगाये जाते है। जितनी भी जानकारी हमें यहां बता रहे है। उसका 1 प्रतिशत रत्ती भर भी काम नहीं होता है। होती है तो गरीब जनता की मौत। हमारे गरीब बच्चों की मौत होती है यहां, चटनी बन जाते है। बच्चा मर जाये करके जाये इसलिए मां–बाप पालते है। आप यहां उद्योग खोले और हमम र जाये। हमे नहीं मरना है साहब, हमारे यहां बच्चे रोज बीमार पडते है। एक दिन भी ऐसा नहीं होता कि आसपास के हास्पिटल और यहां के जो लोकल हास्पिटल है लाईन नहीं लग जाती। पर ये कीमत आप लोग नहीं जानते। क्योकि आप लोग यहां नहीं रहते। ओव्हरब्रीज बना दिया गया है। ओव्हरब्रीज विकास के लिए नहीं है। वहां आये दिन रोजएक्सीडेंट होता है। इसको कौन देखने आते है,सर। कोई देखने नहीं आते। कुछ लोग पैसा लेकर लोगों को बरगला के अगर उनको आज यहां समर्थन के रूप

में बतायेंगे या कागज समर्थन के लिये देंगे। तो हमारे यहां भी देवी–देवता आये है जो देख रहे है। वो कभी उनको माफ नहीं करेंगी, आने वाले दिनो में।

18. **श्री कमल कुमार तिवारी, ग्राम–हाफा** :– आज ये लोक सुनवाई रखा है। हमारे गांव के युवा सरपंच जो कल एक मिटींग किया। पहले कोल वॉशरी है उसका अनुभव अच्छा नहीं है। न लोकल लोगों को, न क्षेत्र के लोगों को। ये शुरूवात में प्राईवेट लिमिटेड के रूप में चालू कर रहे है सबसे बुरा असर होता है। छोटे पैमाने में 5 एकड़, 10 एकड़ के पैमाने में चालू करेंगे। इससे जो प्रदूषण फैलेगा धीरे–धीरे बाजू वालो की जमीन कम होती जायेगी। किसानो का शोषण होता है। मैं एनटीपीसी, कोरबा एरिया से काम चुका हूॅ। वहा का अनुभव वहां आज भी चिमनी से बहुत कम प्रदूषण होता है। कोई भी योजना बने। ये तो एक बडा रूप ले लेगी। एक ऐसा स्कीम बना दिजीए। आज एनटीपीसी, एसईसीएल उसमें क्यो बडे अधिकारी रखते है। कहां वृक्षारोपण होगा, कहां अस्पताल बनेगा, कहां सड़क बनेगा, वहां की जमीनों को किस दर में दिया जायेगा। कैसा रोजगार दिया जायेगा ये योजना बनती है। उसके बाद स्थापना की बात होती है। हमारे यहां से असमर्थ नहीं कि इसका समर्थन कर रहे है। कोल वॉशरी लगना चाहिए। हमारे पूर्व जनपद सदस्य बडे विस्तार से कहां कि सिर्फ मजदूर सिर्फ मजदूर पैदा होंगे। बडे पैमाने को आपके बच्चो को यहां पर इंजीनियर, मैनेजर, एकाउंटेंट सब नौकरी नहीं मिलेगा। जो भी प्राईवटे आता है अम्बानी से लेकर अडानी तक नाम नहीं लेना चाहिए राजनीति हो जायेगा। ज्यादा से ज्यादा फायदा दिखता है। लोगों का स्वास्थ्य अभी भाई साहब व बहन बोल रही थी। पूर्णतः स्वास्थ का भी देखना जरूरी है। लोगों के स्वास्थ की कीमत पर हम स्थापित करते है। 8–10 पंचायत है ओर वो हां करवा ले। बहुत नुकसान होगा। 100 के पौधे भी नहीं लगे है, एक पचरी, 5 पौधे की कीमत से बच्चो के जानमान खेलना उचित नहीं है। जैसा कि मैं उस प्वाइंट को पकडा हूॅ। 30 कि.मी. एरिया ले लीजिये। लोगो को मुआवजा दे दीजिए। पहले एरिया को खाली करा दीजिए। मैं अपने ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के साथ हूॅ। अभी स्थिति में इस कोल वॉशरी का विरोध करता हूॅ।

19. **श्री नरेश कुमार लहरे, ग्राम–लोखण्डे,** :– यहां प्रदूषण के संबंध में देखा तो मेरे घर के छत के उपर में काला–काला जमा रहता है। हमने जिलाधीश महोदय को पत्र लिखा था। कोल वॉशरी को हटाने के संबंध में, अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उसके बाद हमने तहसीलदार, पर्यावरण विभाग को भी पत्र लिखा है। हमने

दिल्ली मेम्बर ऑफ सेक्रेट्री, सेंट्रल पालुशन बोर्ड को भी गया हुआ है। उसमें हमको 25 जनवरी 2021 को एक पत्र आया है। कहते है हम कार्यवाही करेंगे। मेरा निवेदन है कि ये जो कोल वॉशरी लग रहा है इससे बहुत सारा प्रदूषण होता है इसका मै विरोध करता हूॅ। ये नहीं लगना चाहिए। मैं सब्जी लेने मार्केट जाता हूॅ उसमें काला–काला रहता है। इससे क्या है बीमारी फैलने का पूरा अंदेशा है। गंभीर बीमारी होगी।

20. **श्री प्रकाश मुधकर, ग्राम–करहीपारा निरतू, पंच** :– हम देखते है ग्रामीण क्षेत्र में रहते है गरीब परिवार से है। झा जी का कोल वॉशरी है। हमारी पंचायत की वहां पर गरीब परिवार है। वहां पर चाय का दुकान है पाउच का दुकान है आदि का काम कर रहे के जीवन यापन कर रहे है। पढे लिखे लोग है जो कम्पयूटर चला रहे है गाडी चला रहे है। कोई मजदूरी कर रहा है। इस प्रकार हमारे गरीब परिवार वहां पर जीवन यापन कर रहे हैं। पहले तो ऐसा नहीं है कि हम भूख मर रहे थे। कोई मजदूर था ऐसा नहीं था। आज हमारे झा जी जब से कोल वॉशरी खोले है। 40 प्रतिशत लोग वहां पर जीवन यापन कर रहे है। मैं चाहता हूॅ कि यहां पर भाटिया जी खोले कई लोग मजदूर करके जीवन यापन कर रहे है। मेरा समर्थन है भाटिया जी को, यहां पे जो कोल वॉशरी को खोला गया है। मेरा समर्थन है वो यहां से न हटे।

21. **श्री राम कुमार श्रीवास,** :– ये लोग जमीन ले के फायदा तो उठायेगा। कई बच्चे लोग बीमार पड रहे है। जिस समय जमीन बेचे उस समय पता नहीं था कि क्या खोलेगा। जमीन खरीदा है तो फायदा तो उठायेगा ना। कोल सिस्टम बंद होना चाहिए। शासन अपना कार्यवाही करें। जितने भी कोयला डिपो है उसको यहां से हटाया जाये। इससे कोई लाभ नहीं है। इसको हटाने से हमारे को सुखी प्राप्त होगी। रहा सवाल किसी आदमी के पास 30,000 रूपया नहीं है। आज 50,000 रूपया लेकर जाओगे तो उसका ईलाज किया जायेगा। हम नहीं चाहते गरीब आदमी मर जाये। दलाल की वजाह से शासन प्रशासन को दबाव से कोयला डिपो को खोला जा रहा है। कोल वॉशरी बंद किया जाये। कोल वॉशरी बंद करो भाई बंद करो। शासन प्रशासन को धोखा दे रहा है ये दलालों का नियम है। सुनवाई नहीं किया है। आज भी मुआवजा नहीं मिला है। दो बार मुझे गिरफ्तार किया है। मैं कितना परेशान हूॅ मुझे मुआवजा नहीं मिला है। सवा लाख दिया गया है इस लिए कोल वॉशरी खोला गया है। कोयला वॉशरी बंद किया जाये। कोयला वॉशरी

बंद नहीं होगा तो मालिक के उपर दंगा फसाद होगी। कोल वॉशरी बंद किया जाये।

22. **श्री जितेन्द्र मधुकर, ग्राम–करहीपारा निरतू** :– जब कोयला डिपो खुला तब सरपंच था। सरपंच 10 लाख, 20 लाख लेकर के सार्टिफिकेट बनवाया तब ये जनता कहां थी। जब सभी को शुरू से बंद करना था। सरपंच, पंच, जनपद, विधायक शुरू से उसको मना करना चाहिए। जो चालू हो गया है चलना चाहिए। गरीब आदमी किसी को कुली कबाडी मिल रहा है। किसी को और कुछ मिलता है। आज उसी चीज को शुरू से बंद कर दिये खोलना ही नहीं था। आज ये कोयला डिपो काहे खुलता। न घुटकू में खुलता, न घनापार में खुलता न जोंकी में खुलता न लोखण्डी में खुलता हमारा गांव तो चारो गांव एक ही जगह है। सरपंच बडे–बडे आदमी से पैसा लेकर चालू करवाया तो चलना चाहिए। सब को दे रहा है 300, 500 रोजी हमारा इसमें सहमत है भाटिया भैया को।

23. **श्री अरूण श्रीवास, ग्राम–हाफा** :– कोयला डिपो आदरणीय भैया बोलकर गये है कि खुलना चाहिए। क्योंकि उनका अच्छा है क्योकि रोड़ में खडे रहते है ट्रक और हाईवा वहां पर मां–बहन को, वहां ट्रक को लाईट मारकर रोकवा देते है। किनारे में खडा होकर गलत हरकत करते है। कहां आये हो ट्रक वाले को रोककर पूछते है तो बोलते है कि कोयला डिपो में आये है। ये स्थिति है हमारी रात के रास्ता में चलना मुश्किल है। कोयला के कारण कारण धान नहीं हो पा रहा है। कोयला डिपो को बंद किया जाये। ट्रक वाले रास्ते में छेडकानी करते है, गलत हरकत करते है, लूटपाट करते है, शराब पिये रहते है। गाडी किसी के भी उपर चढा देते है। कहां जा रहे हो कोयला डिपो। हटवा दिजीये। निवेदन है आपसे। अगर नहीं हुआ तो मैं आत्म हत्या करने के लिए तैयार हूँ। शराब भट्ठी के लिए भी अंदर हुआ था इसके लिए भी अंदर होने को तैयार हूँ।

24. **श्री श्याम कार्तिक साहू, ग्राम–सकरी** :– कोल वॉशरी से रोजी रोजगार मिलता है। 10 प्रतिशत फायदा 90 प्रतिशत नुकसान है। किसी को कोई फायदा नहीं है। केवल उद्योगपतियों को फायदा है। बाकी जितना भी गरीब है वो गरीब ही रहेगा। आगे नहीं बढेगा, क्योंकि वो लेबर है लेबर ही रहेगा। मेरे को बताये कि अभी दोनों कोल वॉशरी चल रहा है। सकरी का आदमी कोन से डिपार्टमेंट में है, मेरे को बताये लिखकर के। उच्च अधिकारी में एक भी नहीं है। केवल वो गड्डा खन रहा

है तो गड्डा ही खनेगा। उसके आगे कुछ भी नहीं करेगा। कोल वॉशरी में मेरा विरोध है। अगर ये खुलेगा तो जारी रहेगा।

25. **श्री चतुभुर्ज, ग्राम–लोखण्डी** :– आप खुद आकर किसी भी पेड–पौधा, पत्ती को छू कर देख लिजीये। कितना प्रदूषण पेड–पत्ती पर है। हम लोग सांस में प्रतिदिन कोयला लेते है। प्रदूषण से कोयला निकल भी नहीं सकता है। मैं रिटायर्ड फार्मास्टीट हूॅ मेडिकल से रिलेटेड आपको जानकारी दूंगा व इसकी जानकारी लिखित में दिया भी हूॅ। इसके पहले मैं भारत सरकार पर्यावरण मंत्रालय को चिट्ठी भी लिखा हूॅ। मैं कॉलोनी में रहता हूॅ। वहां मंत्रालय से आया हैं। छत्तीसगढ़ इन्वायरमेंट कन्जरवेशन बोर्ड मेम्बर सेक्रेटरी को और पालुशन विभाग दिल्ली में है उनको भी पत्र लिखा हूॅ। लेकिन अभी तक इनके तरफ से कोई इन्कॉरी आया है, न देखने को आया है। पॉलुशन की बात तो छोडिये, पेड–पौधो को जाकर देख सकते है। आप तो आये हुये है। आपको बताने की जरूवत नहीं पडेगी। इसके लिए सर्वे किया जाये, वो किया जाये। पहले से कोल वॉशरी यहां संचालित रहता है ये घुटकू मे है, लोखण्डी में है। रेलवे क्रासिंग के बगल में है। हमारे घर के बर्तन, फ्लोर होता है हमारे कपडो में कोयला जमा हुआ है। जहां भी छूओगे, अगर विश्वास नही तो अभी भी चल सकते हो। हमारे गार्डन में, आसपास में सुबह जब आप थूकते है काला–काला इतना निकलता है कफ के साथ, क्या कहेंगे। यही कोयला जाता है लम्स में जाता है। उस बीमारी का इलाज अभी तक नहीं है दुनिया में। आप थोडे समय तक लेंगे तो ये कोयला प्रदूषण जाते–जाते कोयला का डस्ट सूक्ष्म कण है जो आपके फेफडे में जमा होते जाता है निकाल भी नहीं सकते। वो जो बीमारी होती है, नेट में भी देख सकते है, मैं लिखकर भी दिया हूॅ। आप लोग के तरफ से मैं मुख्य न्यायधीश को भी चिट्ठी लिखा था। उस तरफ से कुछ नहीं आया। इसलिए मैं इसका विरोध करता हूॅ। पहले से ही हम मर रहे है क्यो मारने के पडे हुये है भाई। है। समझ नहीं आ रहा है आपकी बुद्विमत्ता को। इसलिए कृपया करके आप इसको बंद करें। जो पहले से ये प्रस्ताव है उसको भी खाली करवाये। हम सभी लोग कॉलोनी निवासी आये हुये है। उनके तरफ से मैं सादर निवेदन करता हूॅ। आप ये प्रस्ताव के साथ–साथ पहले से जो चल रहा है। कोल वॉशरी आप तुरंत बंद करवाये। नही तो भाई साहब जो पहले बोले है कहा है। 30 किमी. एरिया में स्थापित किया जाये। आप वो किजीए या बंद कीजिए। दोनों में से एक प्रस्ताव को सामने रखता हूॅ चाहता हूॅ। हम लोग कितना प्रदूषण ले रहे है सांस के द्वारा। जहर, जिसका इलाज कोई नहीं है। आप दुनिया में पढ

लिजीए डाक्टर से पूछ लिजीए। मैं कॉलरी में काम करता था ईएससीएल में इसका अनुभव मुझे अच्छी तरह से है। हम लोग मजदूरी को जितना सुविधा करने के बाद भी बीमार होते थे। आप इसको बंद करे।

26. **श्री कृष्ण कुमार, ग्राम–जोंकी** :– हमारे गांव में पुल टूटा हुआ था भाटिया और जैन लोग पाईप लगाये है। नाली निर्माण भी कराये है उन लोग। हमारे यहां से 200–250 लोाग मजदूर वहां काम करने जाते है। भाटिया और जैन के यहां। मजदूर को हमारे यहां रोजी–रोटी मिल रहा है।

27. **श्री विजय भैमिक, ग्राम–हाफा** :– पिछले 5–6 सालो से इस कोल वॉशरी को बंद कराने का संघर्ष करते आ रहा हूॅं। मैं आवेदन लेकर उच्च अधिकारी के पास गया था। उच्च अधिकारियों द्वारा दबाने का प्रयास किया गया था। आपके बोलने से मैं डरा नहीं और मैं संघर्ष करता रहूंगा कोल वॉशरी को मिटाने के लिए। भोल–भाले जनता को बहला रहे है फुसला के, नोटो के बंडल दे के दलालो के आपके द्वारा हमारे सामने खडे है सीधे–साधे गांव के जनता लोग। उनको बहला रहे है फसला रहे है। हमारे गांव के सभी लोग बहुत बारीकी से जांच किये, गांव–गांव जाकर देखे है। जिसके खपरेल का घर है, सब्जी बन रहा है, खाना बन रहा है। कोयला का डस्ट उसमें गिर जाता है उसको उन लोग खा रहे हे। मैं खुद अपने घर के छत में जाकर चलता हूॅं। पूरा कोयला का डस्ट नीचे उतरता हूॅ तो पूरा पैर काला हो जाता है। कोल वॉशरी के दलालो हम इस जनता को जहर मत पिलाओ, हमें मत मारो नही तो आम जनता तो आक्रोश होगी तो क्या होगा। कोल वॉशरी को बंद किया जाये। कोल वॉशरी के दलालो ओर मालिक के खिलाफ मैं उग्र आंदोलन करने को बाध्य हो जाउंगा।

28. **श्रीमती सतबाई, ग्राम–करहीपारा निरतू** :– हमारे गांव में मंदिर, नाली, सी.सी.रोड़, पचरी कुछ नहीं है।

29. ना.मा. :– कोयला डिपो चालू करो। चालू करो।

30. **श्री विजय सेन, ग्राम–सकरी** :– मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूॅं।

31. **श्री संदीप मिश्रा, ग्राम–हाफा सरपंच** :– इस कोल वॉशरी का विरोध करने आया हूॅ। मैने अपना आवेदन दिया है। जिसमें लिखा है ग्राम–हाफा में 119 कृषक 137 हेक्टेयर से भी अधिक भूमि कृषि कार्य करने हेतु प्रस्तावित कोल वॉशरी के डस्ट से पूरा फसल बर्बाद हो जायेगाी और भी यहां जितना भी कृषि भूमि है। उसमें पूरी तरह आने वाले संकट से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रस्तावित कोल वॉशरी के लिए प्रस्तावित जल का दोहन भी बडे स्तर पर किया जाता है। शासकीय गाईड लाईन के अनुसार दिन भर सड़को के आसपास पानी का छिड़काव करना पडता है। किसी के लिए पानी का दोहन किया जायेगा। विदित हो वैसे ही हाफा से आसपास के प्रभावित ग्रामों में पानी काफी जल नीचे स्तर तक पहुंच चुका है। गांव में अधिकतर बोरवेल दम तोड रहे है। ऐसे प्रस्तावित कोल वॉशरी में पानी का उपलब्धता हेतु निश्चित ही कई बोर का उत्खनन किया जायेगा। इससे क्षेत्रीय जल स्तर नीचे जायेगा। और लोगों को भविष्य में पानी के लिए त्राही–त्राही मचेगा। इसलिए मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूॅ।

32. **श्री मिश्रा, ग्राम–सकरी** :– कोल वॉशरी खुलन उचित या अनुचित दोनों बातों में चर्चा हो रही है। मैं तो इसको अच्छी ही मानूंगा। किसका फायदा हो रहा है किसका नुकसान इससे मतलब नहीं। यहां के धूल और गरदे हमारे सकरी क्षेत्र तक जा रहे है, खाने में जा रही है, हमारे बच्चों के स्वास्थ के ऊपर पर बुरा असर पड रहा है। यहां स्वास्थ और पर्यावरण की दृष्टि से ये सदैव वंचित है। ये जो पूरी योजनाये चल रही है। ये कार्यक्रम की पावती जो जो बोले हमारे व्यक्ता बोले पक्ष में विपक्ष में उसको लास्ट में व्यक्ति बोलने के बाद पब्लिक के सामने सुनाया जाये और पावती दिया जाये।

33. **श्री लेखराम लोनिया, ग्राम–घुटकू** :– विरोध करता हूॅ कोल डिपो का। ये बिल्कुल नहीं होना चाहिए। ये हमारे देश, राष्ट्र के लिए बहुत बडा नुकसान है। उसलापुर से घुटकू चलिए, सकरी चलिए। आपको तालाब के उपर में काला परत मिलेगा। ऐसा समर्थन करना किसी के हक में नहीं हे। ये सिर्फ विरोध किया जा सकता है।

34. **श्री राजा माथुर, ग्राम–लोखण्डी** :– हम पढे लिखे बेराजगार है हमको नौकरी मिलना चाहिए। कोल वॉशरी खुलना चाहिए।

35. **श्री विनोद मधुकर, ग्राम–निरतू** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए। गरीब का पेट मर जायेगा।

36. **श्री देवानंद खाण्डे, ग्राम–तुर्काडीह** :– कोल डिपो खुलना चाहिए।

37. **श्री सोहन कश्यप,** :– हमारे बगीचा में पानी का साधन नहीं है। उसका साधन किया जाये।

38. **श्री टिकाराम त्रिलोकी, ग्राम–घुटकू घनापार** :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। जितना शासन प्रशासन से आये है वो घनापार जाकर देखें, वहां पर उतना धूल है। रोड़ बन रहे है। वो भी जाकर देखे। ट्रक चला रहे हे। एक हफ्ता से धरना प्रदर्शन पर बैठा था। अधिकारी लोग आये थे तुम्हारे गांव में डिवाईडर बनेगा, वो बनेगा। पर आज तक के कुछ नहीं बना है। घनापार में कुछ काम नहीं हुआ है। डस्ट खाते आ रहे है घनापार के लोग। कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए।

39. **श्री अमन गढेवाल, ग्राम–लोखण्डी** :– रोजगार की बात हो रही है कोयला डिपो को लेकर। किसी को कोई फायदा नहीं है। पूरे गांव के किसान मर रहे डस्ट में, गांव का पूरा विकास रूका हुआ है। धूल, डस्ट हम लोग खा रहे है। आसपा के एरिया नगर–निगम में हो गया है लेकिन लोखण्डी को छोड़ दिया गया है। क्यो लोखण्डी में तो कोयला डिपो है। कोयला कोयला को कौन इतना साफ कर पायेगा। बरसात दिनों आप देखियेगा कि चल नहीं पाओंगे आप। जिस स्कूल में बैठो हो आप वहां साफ–सफाई करने वाले कर्मचारी नहीं है। दूसरी बात यहां इतना डस्ट जम जाता है कि बच्चे अपने बैठने के लिए जगह को साफ करते है उनका ड्रेस हर दिन गंदा होते रहता है। आपसे निवेदन है कि आप इसे बंद कराये। आप पैक्ट्रीकल देखना चाहते है तो आप हमारे साथ पद यात्रा में चलिये। रोड का निरीक्षण करें। कहां कितना विकास हुआ है। रही बात पेड–पौधो का, किसान का धान पूरा काला हो रहा है। फल हो ही नहीं रहा है, सब्जी तो हो ही नहीं रहा है। बाकी आप की मर्जी है इसका सुनवाई तो होने वाला नहीं है। सिर्फ फारमेल्टी है।

40. **श्री दीपक बिन्द्रा,** :– जैसा मेरे पूर्व वक्ताओं ने कहा है। मैं खुद 38 से 40 वर्ष कोल इंडिया में कार्य किया हॅं। आप ने कॉलोनी बनाई, ग्राम–बनाया, ग्राम बसाया।

यहां पर कोल डिपो बनाया। कितना बडा दुर्भाग्य है। कॉलोन के बगल में पूरा मापदण्ड होता है। कॉलोनी को परमीशन दिया जाता है। पता नहीं किन मापदण्डो के हिसाब से प्रशासन बैठे हुये लोगों ने ये अनुमति दिया। हम यहां मकान लिया घर के किसी समान को जाकर छू लिजीये वहां पर काला नहीं मिला बल्कि आप जिस कुर्सी में बैठे है। जब आप उठीयेगा जब आप उस उंगली से ऐसे रगड के देख लिजीयेगा। ये देखिये इतना डस्ट आ रहा है। इतना डस्ट हमारे शरीर के अंदर जा रहा है। इससे जो बीमारी होगी। हमारी आने वाली 10 पीढी बीमारी से उभर नहीं पायेगी। उसे दमा होगा, टीवी होगा। इसलिए मैं जो कोल वॉशरी चल रही है मैं उसका पूर्ण रूप से विरोध करता हूॅ। महोदय जी से निवेदन करता हूॅ कि इसको जल्द से जल्द इसको हटाये। यहां हजारो लाखो का जीवन जुडा हुआ है। इसके लिए हमने लिखा पढ़ी भी किया हुआ है। ऊपर से भी आया हुआ है आज तक के कार्यवाही नहीं हुई। ये बड़ा दुर्भाग्य है कि कानून अंधा हो गया है क्या। मुझे लगा वाकई में कानून अंधा हो गया है। 15 दिन हो गये दिल्ली से आया हुआ है। इसकी जांच की जाये। बडा दुर्भाग्य है कि आज तक के कोई अधिकारी पूछने नहीं आया। कि भाई समस्या क्या है। रह गई सीएसआर और आप जो सीएसआर नियम की बात कर रहे है। वो सब मैं उसी इण्डस्ट्रीज से आया हूॅ। 0.1 प्रतिशत भी इसका पालन नही किया जाता। वो लोग पूरा पालन करते है। मैं वहां से आने के बाद भी मैं कभी कल्पना नहीं किया था। बल्कि मैं 40 साल नौकरी र हके काला नहीं खाया था जो यहां विगत 04 वर्षो से खा रहा हूॅ। इसका विरोध करता हूॅ। बडे कडे शब्दो में इसकी निंदा करता हूॅ। जो चल रहा है उसको जल्द से जल्द हटाये। नये स्वीकृति तो दूर की बात है। जो चल रहा है उसको भी हटाये। उन लोगों को एक नया जीवन प्रदान करें।

41. **श्री कमल कुमार माथुर, ग्राम–निरतू** :– मैं सभी से पूछना चाहता हूॅ जब भाटिया जी जमीन लिया। तो कुछ उद्योग डालने के लिए लिया है। सब जमीन बेचे है। आप लोग ही बसाये है। उद्योग खुले कोल वॉशरी खुले। उद्योग वाला पैसा फसाया है भाई कुछ भी डाले। जमीन बेचोगे तो उद्योग डालेगा ही डालेगा। उद्योग खुले। कोल वॉशरी खुले लोगों को रोजगार मिलेगा। सभी इंसान जमीन तो बेच चुका है। आप लोग कितने लोगो को रोजगार देंगे। ये तो 1000 आदमी को रोजगार दे रहा है 5000 आदमी का पालन कर रहा है। मेरा कोल वॉशरी खुलने में सहमत है। उसको खुलना चाहिए।

42. **श्री अजय कुमार पाण्डे, ग्राम–हाफा** :– मेरा जमीन जस्ट कोल वॉशरी के पिछे में है। पिछले कई विगत वर्षो से वर्तमान में कोल वॉशरी को खोल के इसको बढाने का काम किया जा रहा है। इसका मैं विरोध करता हूॅ। क्योंकि इसके खुलने से हमारी जिंदगी खराब हो चुकी है। जो उत्पाद है वो भी इसका घट चुका है। जो धान होता है उसको बेचना भी संभव नहीं है। बीमारी अलग हो रही है। ब्लड प्रेशर, शुगर की बीमारी हो रही है। आंखो की रौशनी खराब हो रही है इससे। घर में इतनी मोटी परत रोज साफ करना पडता है। मेरे घर तक डस्ट जाता है। मैं इसका विरोध करता हूॅ। आगे मैं इसकी विरोध में आगे कार्यवाही करवाउंगा। इसको रोक लगाऊंगा। इसको जो पक्ष ले रहे है कही न कही मिली भगत है। इसका मैं संपूर्ण विरोध करता हूॅ।

43. **श्री उमाशंकर दुबे, ग्राम–हाफा** :– मेरा 12 एकड़ खेत है। वहीं पर है इसमें पूरा कोयला जम जाता है। धान बेचने में बहुत दिक्कत हो रही है। खेती पर ही मेरा पूरा आश्रित जीवन है। इसलिए मैं चाहता हूॅ कि कोयला बंद किया जाये।

44. **श्रीमती अमृत बाई, ग्राम–लोखण्डी** :– मेरा खेत में धान काला हो जाता है। धान काला पड जाता है। हम लोग गरीब आदमी है। कोयला डिपो बिलकुल बंद होना चाहिए। धान नहीं हो रहा है।

45. **श्री विजय तिवारी, ग्राम–हाफा** :– कोल डिपो पूरा बंद होना चाहिए। जिसको भी कोल डिपो खुलवाना है वो अपने क्षेत्र में खुलवाये। उसका कोई विरोध होगा। नहीं खुलना चाहिए। नहीं खुलना चाहिए।

46. **श्री आकाश दुबे, ग्राम–हाफा** :– कोल डिपो का विरोध करता हूॅ। कृपया इसको बंद करावा के दूसरे जगह में खोलवा लिजीए। सब किसान लोग है, हम नागरिक है। कोल डिपो बंद करो।

47. **श्री सुंदर लाल माथुर, ग्राम–तुर्काडीह** :– कोल डिपो खुलना चाहिए। यनि खुलना चाहिए।

48. **श्री अश्वनी कुमार त्रिलोकी, ग्राम–घनापार** :– विरोध मा आये हव महूहव। आज जनसुनवाई है कहिके कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। अभी खेत मा जाही तो

कलेक्टर साहाब कपडा ला बदल लेही। अतका पन हावय। मैं विरोध मा आये हव। कोल वॉशरी के विरोध हव। जेन खुले है वो भी बंद होना चाहिए। नया योजना वो भी बंद होना चाहिए।

49. **श्रीमती ममता वस्त्राकार, ग्राम–लोखण्डी** :– मैं इसके विरोध में हूॅ। किसी का स्वास्थ बिगडता है निरतू वाले भैया बोले है। उनका इलाज कौन कराते है कोल वॉशरी वाले। पहले दर्द देत है फिर दवा देते है। कहॉ की बात है अगर कोल वॉशरी नहीं होता। तो व्यक्ति का स्वास्थ बिगडता ही नही। दर्द देने के बाद बोल रहे है दवा दे रहा है। क्या आप लोग दवा नहीं ले सकते। बच्चे पैदा किस लिये किये है आप अपने दम में किये है। तो अपने दम पर उसका स्वास्थ का इलाज करा सकते है। बट नही ंहम किसके ऊपर आश्रित है कोल वॉशरी। होते है कौन ये कोल वॉशरी वाले। होते कौन है कोल वॉशरी वाले, हमारे में ताकत नहीं है क्या भगवान हमें दो हाथ, दो पैर। आपको रोजगार मिलता है क्या आपको पहले रोजगार नहीं मिलता था। पहले हम कमाते थे और खाते थे। आज इनकी नौकरी करते है। अगर आप अच्छे मॉ–बाप बनना चाहते है। पहले अपने बच्चे को पढाई करवाईये। इनकी नौकरी करने के बजाय, जन सेवा में लगाईये। ये नहीं कि कोल वॉशरी में लाकर उनको नौकर बना दे। ऐस नहीं होता है, निरतू वाले भैया जहां कही भी हो सुन लिजीए। जिनका जमीन कोल वॉशरी अगल बगल है। उनसे पूछिये उनका हाल कैसा है। आप अगर किसी तालाब में जाते है एक परत होती है कोलये की धूल की। हम लोग पहले शहर में रहते थे, शहर वाले को प्रॉबलम होता था तो गांव वाले को बोलते थे कि शुद्व हवा मिलता है। क्या यहां शुद्व हवा मिलता है। यहां शुद्व हवा है तो कैसे बोल सकते है कि यहां कोल वॉशरी खोलेगा। करहीपारा वाले सरपंच भैया कितना पैसा लिया विधायक, कितना पैसा लिया सरपंच ये मुद्‌दा नहीं है। मुद्‌दा ये है कि कोल वॉशरी खुलना चाहिए कि नहीं। तो आप क्या कर रहे है। यहां के हित में बोलते। पहले सरपंच के बारे में बोले है वो धब्बा आप के लिए भी धब्बा लगेगा।

50. **श्रीमती प्रतिमा वस्त्राकार, ग्राम–लोखण्डी** :– 90 प्रतिशत को कोल वॉशरी से नुकसान है। 10 प्रतिशत लोगों को फायदा है। वो 10 प्रतिशत में कौन आता है। भाई गांव के लोग आते है। हमारे यहां के लोगों को 01 प्रतिशत भी फायदा नहीं है। आदमी लोग बोलते है हम लोग को यहां पर रोजगार मिल रहा है, रोजगार मिल रहा है। जितने लोगों को रोजगार मिल रहा है जितने लोगों को पैसा खाये है

उतने लोगो को। उन लोग धूल खायेंगे। अपने बच्चो को दांव पर लगायेंगे। और कौन उनका रक्षा करेगा। हम लोग पूजा करते है वट सावित्री के लिए वट के लिए पीपल पेड़, नीम पेड़ हमारा वो धरोहर है, हमारा वो प्रकृति है, हमारा वो देव है। लो भैया माता का उपाधी देते है। आज जा के देखो वो सारे पत्तों में कालिक छा गई है। धूल जम गया है, वो पूरा का पूरा कार्बन डाई आक्साईड दे रहा है। इसका कौन भरपाई करेगा। पेड को धोने जायेंगे। रोड में पानी लगाईये कौन कोई काम नहीं करता है। और खोलना है तो रोजगार खोलिये। हमें कोई दुख नहीं है। खोलिये न रोजगार। हमभी चाहते है गांव में रोजगार खोलिये खेती लगाईये। खेती कराई, औषधी लगाईये, पर्यावरण को बचाईये। काजू, बादम, अंजीर ऐसे कई महंगे–महंगे पेड आते है। जो गांव के लिए विकास के लिए बहुत लाभदायक है। जंगल में खाली जमीन मे औषधी लगाईये। हम बहुत खुश होंगे आपसे जन, जंगल, जमीन बचाना। हम तीनो खोया है हमसे। हमारे लिए कुछ नहीं बचा है। हम अपने बच्चे को क्या देंगे। यहां पर इतने सारे पेड है पौधे है हमारे पास कुछ नहीं है। आज के डेट पर हमारे पास कुछ नहीं है। कोल डिपो आ गया है धूल है धक्कड है और कोल वॉशरी को फायदा है और उससे हमको पूरा नुकसान है।

51. **श्रीमती नीलम पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :– पहले कोल वॉशरी नहीं था, तो जीते थे। जनता कब कहां थी। अपने क्षेत्र से लेकर पंच तक बोलूंगी, भाटिया भैया को धन्यवाद देती है। गांव आसपास प्रदूषण से भरा है, तबियत खराब होता है, इलाज कराते है। गांव के पास झोला झाप डाक्टर के यहां लाईन लगा है। यहां पर पौधो का रोपण, धान की रोपाई, खेत में रोटी लेकर आते थे और हम खेतों के पानी पीते थे। अब तो काला–काला पानी रहता है। कानन पेंडरी 10 कि.मी. में है।

52. **श्रीमती कल्याणी निर्मलकर, ग्राम–लोखण्डी** :– कोल डिपो के सामने मोर खेत है। हमर धान ला खरीद सकत हे। आज हमर गांव मा जाकर देख। सब ला कुछ ना कुछ बिमार होवत हे। कोल डिपो अपन गांव मा खोलवा दे। जब तक हमर सांस चलत हे। बाकी हम खुलने नहीं देंगे। हर गांव मा बांझ मिलत हे। गांव मा महिला बांझ मिलत हे। आज 5–6 कोल डिपो हो गये है। आज तक विकास नहीं होये हे। हम लोग गांव के लिए वो करेंग, व गांव के विकास करेंगे। मैं चाहती हूॅ सर कोल डिपो नहीं खुलना चाहिए।

53. **श्री अमित, ग्राम–सकरी** :– 100 प्रतिश नुकसान है। मैं इसका खुला विरोध करता हूॅ। सब बिक चुके है। खुलने लाईक हो तो खोल दिजीए। पशु–पक्षी, जीव–जंतु सब मर रहे है, ये क्या रोजगार देंगे हमको। कुल पल के लिए बहला रहे है। कितना रोजगार देगा। सी.एस.आर. का पैसा कहां गया। छत में पानी डालने चढा था पूरा काला–काला हो गया। मैं इसका खुला विरोध करता हूॅ। यहां से बंद करो।

54. **श्री अखिलेश कौशिक, ग्राम–हाफा** :– मैं 10 एकड़ में खेती करता हूॅ डस्ट जम जाता है। बंद होना चाहिए।

55. **श्रीमती सावित्री, ग्राम–लोखण्डी सरपंच** :– पंच संरपंच को लाछन लगाया जा रहा है। हमारे प्रयास से जन सुनवाई हो रहा है। आज तक जन सुनवाई हो रहा है। ग्रामवासी चाहेंगे उसको समर्थन दूंगी। मैं समर्थन नहीं करूंगी। आज हम लोग बोल रहे है, खुलना चाहिए। लेकिन ये तो खुला हुआ है। गांव के सभी चीज में समर्थन करना पडेगा।

56. **सरपंच प्रतिनिधि, ग्राम–लोखण्डी** :– कोल वॉशरी पहले से संचालित है। आज तक जन सुनवाई नहीं हुआ है। इससे प्रदूषण कितना है। गांव में डरा रहे है। हमने कोई ऐसा एनओसी नहीं दिया है। गांव में संगठन बनाये रहते, तो ये जन सुनवाई नहीं होती है। कोयला से बीमारी होना है। पूर्व के बुजुर्ग 100 से 110 साल जी रहे है। हमारे गांव में खुल रहा है विरोध करेगा ही भाई। आसपास के गांव के लोग समर्थन कर रहे हे। अपना देखो भाई। हमारे तरफ से विरोध है। कोल डिपो खुल चुका है मैं भी समर्थन नहीं करूंगा।

57. **श्रीमती लता बाई कतिया, ग्राम–लोखण्डी** :– गांव सभी एक हे। आज के दिन मा कोयला डिपो वाले अपने पैसा से खरीदे है। कोयला डिपो मा बहुत प्रदूषण हे। आज गांव के लोग मन काम भी नहीं मिलत हे। कोयला डिपो मा काम मा जवत हे। बेरोजगार ला रोजगार नहीं मिलत हे। न ग्राम पंचायत के अधिकारी मन महिला मन के पुरूष नवयुवक के। कोयला डिपो ला चलाये। कोयला डिपो गुंडागर्दी करते। एक रास्ता मा चलना है।

58. **श्री राजेश देवांगन, ग्राम–तखतपुर विधानसभा** :– सिर्फ कोल वॉशरी वाले सभी के काहानी है। सड़क में 10 मिनट चल के देखो। कोल वॉशरी से घनापार जुडा हुआ है। बरसात में हैवी गड्डा है। एम्बुलेंस की व्यवस्था नहीं है। पौधा लगाना आसान है संरक्षण करना मुश्किल है। मैं इस कोल वॉशरी का विरोध दर्ज करता हूॅ।

59. **श्री छेदीलाल, ग्राम–लोखण्डी** :– मोर धान ला लेही। काला पड गये है। कोयला डिपो हमला बिल्कुल नहीं चाहिए।

60. **श्री निहाल तिवारी, ग्राम–हाफा** :– कोल डिपो नहीं खुलना चाहिए, बंद करों। हर बार मुआवजा होता है। जन सुनवाई किसी का सुनना नहीं है। जन सुनवाई बंद करो।

61. **श्री रूपेश सिंह** :– कोल डिपो का विरोध करता हूॅ। यहां का सब्जी घुरूवा मेरी से आता है। अभी सब्जी इतना धूल होता है। हम लोग बरसात के समय आ रहे थे। इस बस्ती में आने के लिए भी सोचना पडता है। ये हार्ड का समस्या आता है। मैं विरोध दर्ज कराता हूॅ। इसका विरोध करता हूॅ।

62. **श्री मन्नू यादव, ग्राम–घुटकू** :– कोल डिपो खुलना चाहिए।

63. **श्री महेन्द्र कुमार , ग्राम–करहीपारा निरतू** :– उद्योग खुलना चाहिए।

64. **श्री सत्यनारायण, ग्राम–हाफा** :– कोल माइंस नहीं खुलना चाहिए। पॉलुशन ज्यादा बढ रही है। इससे बीमारी फैल रहा है। काला–काला परत जमी रहती है। रोजगार तो मिलता नहीं है। यहां के नागरिकों को नुकसान हो रहा है। मैं इसका विरोध करता हूॅ।

65. **श्री चित्रदर्शन** :–भाटिया कोल प्लांट खुलना चाहिए।

66. **श्री चिंटू** :– भाटिया कोल प्लांट खुलना चाहिए।

67. **श्री संदीप कुमार यादव, ग्राम–घुटकू** :– भाटिया कोल खुलना चाहिए। हमारा समर्थन है।

68. **श्री जगदीश पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :– कोल डिपो नहीं खुलना चाहिए। गांव में कुछ ही लोगों को रोजगार मिलता है। सभी प्रदषण युक्त गांव बन गये है। इनका विरोध करता हूँ।

69. **श्री अभिषेक गढेवाल, ग्राम–लोखण्डी** :– हमारा सब लोग का समर्थन है कि हमारा गांव में कोल डिपो नहीं खुलना चाहिए। जिस गांव में खोलना चाहते है वहां खोल सकते है।

70. **श्रीमती कुंती खाण्डे , ग्राम–तुर्काडीह** :– यहां खोले, उस दिन हम लोग कहां थे। हम लोगों को रोजी रोटी चाहिए।

71. **श्रीमती निर्मला, ग्राम–तुर्काडीह** :– जमीन ले लिस है कुछू भी खोल सके हे। खोल सके हे। भाटिया जिंदाबाद।

72. **श्री बेदराम, ग्राम–लोखण्डी** :– मेरा खेत के पास 10 चक्का गाड़ी चलता है। उसी को खोलना है तो गोठान बना दो। कोयला से क्या होगा। कोल डिपों से प्रदूषण हो रहा है, इसको बंद किया जाये।

73. **श्रीमती तीजबाई, ग्राम–घनापार** :– कोयला डिपो चलना चाहिए। रोजी रोटी मिलना चाहिए।

74. **ग्राम–घनापार** :– कोयला डिपो चलना चाहिए। हम लोग का कहना है।

75. **ग्राम–घनपारा** :– कोयला डिपो चलना चाहिए।

76. **श्री अर्जुन पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :– ये बंद होना चाहिए। हमारे घरो में धूल जाता है। ये बंद होना चाहिए।

77. **श्री बादल केवट, ग्राम–करहीपारा** :– फिल कोल बंद होना चाहिए। कोयला डिपो बंद होना चाहिए।

78. **श्रीमती चैतीबाई, ग्राम–लोखण्डी** :– हमर गांव के सरपंच कुछ नहीं करत हे। हमार गांव मा स्कूल चाहिए।

79. **श्री संतोष कुमार, ग्राम–घनापार** :– सरकार मन ला क्या करना है। ग्राम लोखण्डी मन से निवेदन है कि जो प्रयोजित कार्यक्रम चलत है। लोखण्डी अपन नुकसान करते है। मैं समर्थन करत हव।

80. **श्रीमती आरती पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :– कोयला डिपो को कैसे फायदा हुआ है। बेराजगार सब बैठे थे। यहां कोई कोयला डिपो नहीं बनेगा। यहां इतनी जनसंख्या है। हमारे गांव लोखण्डी गांव में कोयला डिपो नहीं चाहिए।

81. **श्रीमती अमृत बाई, ग्राम–लोखण्डी** :– हमारे गांव में कोयला डिपो नहीं होना चाहिए। हमारा धान नुकसान हो रहा है। धुर्रा उड रहा है। कोयला डिपो बिल्कुल बंद होना चाहिए। हमारे गांव मा।

82. **श्री संजू पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :– हमारे ग्राम पंचायत लोखण्डी में 15 साल से कोल डिपो चल रहा है। पहली बार हमसे पूछना भी चाहूंगा। बहुत से लोग लिख के दिये है। हम लोग नेता इसलिए चुनते है। ये विरोध करते है। आप के सामने जनता रो रही है। बिलक रही है। हमारे पैसे से नौकरी कर रहे है। 15 से चल रहा है। भाटिया से निवेदन है आप सभी काम को करिये। आप जनता को भी देखना पडेगा।

83. **श्री दिलीप कुमार निर्मकर, ग्राम–** :– इसमें पक्ष और विपक्ष दोनों है। इसके चल के देखें। इतना कितना प्रदूषण फैल रहा है। डिपो बंद होना चाहिए। बंद होना चाहिए।

84. **श्री रामेश्वर निर्मलकर, ग्राम–लोखण्डी** :– जब भी उद्योग लगता है। दो पक्ष होता है रोजगार मिलता है। उद्योग लग चुका है। कि पर्यावरण का नियम का पालन करें। हमारे गांव में प्रदूषण है तो रोज सुबह–शाम पानी गिराये नुकसान न हो। पर्यावरण का ध्यान रखते हुए पेड़ लगाये। नियमो का पालन किया जाये।

85. **श्री गोविंद यादव, ग्राम–** :– प्लांट लगाना कोई खराब नहीं है। सबसे पहले इस एरिया के लोगों को रोजगार दो। क्या लोकल लोगों को रोजगार दोगे। कोल वॉशरी खुलेगा। लोकल आदमी को मुआवजा मिलना चाहिए। मैं इसका समर्थन करता हूॅ।

86. **श्रीमती शांति, ग्राम–लोखण्डी** :– कोयला डिपो नहीं खुलना चाहिए। बहुत धूला होते।

87. **श्री जनकराम त्रिभुवन, ग्राम–हाफा** :– पूरा जा के डस्ट जम जाता है। कोयला डिपो नहीं खुलना चाहिए।

88. **श्री सूरज कुमार पटेल** :– पूरी समस्या ही समस्या है। हमारी जनता की आवाज नहीं सुनी। वहां लोखण्डी प्रागंण में कोल वॉशरी फिर खुलना चाहिए कि नहीं खुलना चाहिए। हमारी मांग को पूरी किया जाये।

89. **श्री राजमणी गढेवाल, ग्राम–लोखण्डी** :– हमारे यहां बहन का विवाह जल्दी कर दिया जाता है। हमारे गांव में 10 वी तक स्कूल है। इनसे निवेदन है कि यहां स्कूल खुलवना चाहिए। हमारक बहन–बेटी, दोस्त–यार के लिए 11वीं व 12वीं चाहिए। मांग है कि रोड़ भी खराब है, बच्चों के लिए स्कूल भी नहीं है, हमारे यहां रोड में लाईट लगना चाहिए, शासकीय नही ंतो अर्धशासकीय स्कूल खोल दिजीए। हमारे ओवर ब्रीज में अक्सर एक्सीडेंट होता है। वहां गार्ड रख देना चाहिए। तालाब की व्यवस्था कर दीजीए। हमारे बच्चों का मांग पूरा होना चाहिए।

90. **श्री सुरेश टंडन, ग्राम–उसलापुर** :–उसलापुर से मरहीमाता तक जाता हूॅ तो पूरा काला–काला हो जाता है। उनके उपर क्या प्रभाव पडता होगा। ऐसा रोजगार नहीं चाहिए। 10–15 कि.मी. में खुलना चाहिए। इसका धूल–गर्दा पूरा उडता है। मैं कोल वॉशरी का विरोध करता हूॅ। इसको खोलने न दे।

91. **ग्राम–लोखण्डी** :– मैं पुरजोर इस जन सुनवाई में पूरा–पूरा विरोध करते है। इससे आसपास के 10 कि.मी. व इसका प्रभाव देखने को मिलेगा। ग्रामीणों का सहयोग करें। आने वाले दिनों में कठपुतलिया ना बन जाये। न्याय दे। महिला समूह से निवेदन करता हूॅ ध्यान में रखे कमजारे न समझे। ये बात को कमजोर न समझे।

18 साल के उम्र से वक्तव्य न रखें। अपन पक्ष में न रखें। मैं जन सुनवाई में पुरजोर विरोध करता हूॅ। कोल वॉशरी का पूरा–पूरा विरोध करते है।

92. **श्री तरूण गढ़ेवाल, ग्राम–लोखण्डी** :– इसकी क्या जरूवर पड़ गई जो ये तो पहले से चल रही है। इतना दिन से कोल वॉशरी चल रहा है। आपकी वॉशरी कितना दिन हो गये चलते।

93. **श्री मनीष कुमार श्रीवास, ग्राम–सकर्रा** :– वहां पर इतना प्रदूषण है। किसानों को समस्या है। पूरे अंचल के लोग प्रभावित है। अभी तो खुला नहीं है। आज तक प्रभावित हुआ है। भाटिया कोल से बीमारी से त्रस्त करना चाह रहा है। क्या पूरा गांव वाले कोल वॉशरी खुलने के सहमत है क्या? भाटिया कोल वाला आदमी यहां पर आम आदमी गरीब को बर्बाद करना चाह रहा है। यहां पर सर्वे करा लिजीए। यहां नहीं खुलना चाहिए। उस किसान से पूछीये, उसका धान कैसे हो रहा है। उसका धान समिति द्वारा नहीं खरीदा गया है। पूरा काला पड़ गया है धान। उस किसान की खेती नष्ट हो रही है। कोल वॉशरी वाला खेत को 2 लाख में मंगता है।

94. **श्रीमती सुक्रीता त्रिलोकी, ग्राम–घनापार** :– भाटिया जिंदाबाद, कोल डिपो खुलेगा। हमर राय है।

95. **श्रीमती सुमित्रा त्रिलोकी, ग्राम–घनापार** :– भाटिया प्लांट खुलना चाहिए।

96. **श्रीमती मतिया, ग्राम–घनापार** :– भाटिया प्लांट खुलना चाहिए।

97. **श्री सूरज केंवट, ग्राम–लोखण्डी** :– यहां 5–6 साल हो गये हमको डस्ट खाते। यहां पर सड़क में पानी नहीं डलवाते है, यहां पर कितना डस्ट है। डिपो बंद करो, बंद करों।

98. **श्री अमरदास मानिकपुरी, ग्राम–लोखण्डी** :– घनापार से निवेदन है कि मैं विरोध कर रहा हूॅ कि लोखण्डी में कोयला डिपो नहीं खुलना चाहिए।

99. **श्री कृष्ण कुमार सोनी, ग्राम–लोखण्डी** :– मैं चाह रहा हूँ कि खुलना चाहिए। मजदूरी सही नहीं मिल रहा है, सुरक्षा नहीं मिलता। उसको मजदूरी का विशेष ध्यान रखे, मैं इसका समर्थन करता हूँ।

100. **श्री रामचरण सूर्यवंशी, ग्राम–घनापार** :– इसमें जनता का कुछ नहीं होता है। हम लोग नहीं चाहते है। सब काला पड़ा हुआ है। वहां बंदर काला है, जानवर काला है। इतना कोयला से जीव–जंतु काला है। हमार मुख्य स्त्रोत है कृषि करना। अब जा के देखो एक भी फसल नहीं हो पा रहा है। हम किसान आदमी है। हमार जमीन बंजर हो रहा है किसके कारण कोयला के कारण। ये कोल डिपो बिल्कुल नहीं होना चाहिए। मैं इसका विरोध करता हूँ।

101. **श्री मनोज कुमार मधुकर, ग्राम–निरतू** :–बिल्डिंग बनने के बाद कुछ मतलब नहीं मेरा समर्थन है।

102. **श्रीमती सकुन खरे , ग्राम–करहीपारा** :– कोल डिपो खोलना चाहिए।

103. **श्रीमती अंबिका, ग्राम–घुटकू** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।

104. **श्रीमती सुक्रिता** :– कोल डिपो खुलना चाहिए।

105. **श्रीमती सुषमा** :– कोल डिपो खुलना चाहिए।

106. **श्रीमती शैल खरे** :–कोयला डिपो खुलना चाहिए।

107. **श्री संजय कुमार** कोल डिपो खुलना चाहिए।

108. **श्री मनोज कुमार पटेल, ग्राम–निरतू :–** कोल वॉशरी का विरोध करता हूँ। मैं इसका भरपूर विरोध करता हूँ, छत्तीसगढ का विकास हो। खेती का नुकसान न हो।

109. **श्री रामकुमार गढेवाल, ग्राम–लोखण्डी** :–भाटिया कोल एनर्जी है जो ये पर्यावरण का उस नियम का वो जो अपना कार्य कर रहे है और बहुत सारी कोल डिपो

संचालित है। किसान भाईयों को परेशानी हो रही है, नियमता स्कूल, पानी, सड़क आसपास के समस्या का फंड प्रदान करके उपाय सुलझाये व सहयोग प्रदान करें। पर्यावरण का नियमों को प्रदान करते है। तो हमें कोई आपत्ति नहीं हैं ऐसे लोगों को रोजगार दे, गांव में सड़क में पानी डलवाये, गांव में शिविर लगवाये, गांव में परेशानी धूल से रोकथाम से पर्यावरण के द्वारा पेड पौधे का ध्यान दे व शिक्षा का ध्यान दे। हमारे गांव के साथ–साथ समाधान समस्या का हल कराये।

110. **श्री शिवचरण मधुकर, ग्राम–करहीपारा निरतू** :– मेरा प्लांट खुलने में समर्थन है। बेरोजगारो को रोजगार मिलेगा।

111. **श्री संजय सिंह राजपूत, ग्राम–लोखण्डी** :–पर्यावरण की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए इन सभी गांव के संस्था को आदेश करें। आज छत्तीसगढ में बेराजगारी है, इसमें फंड जो आता है, रोड़ को बनाने चाहिए। किसान रोड से जाता है। रोड़ भी अच्छा होना चाहिए।

112. **कु0 दुर्गा पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :–कोल वॉशरी नहीं होना चाहिए। यहां नहीं चाहिए। कोयला डिपो बंद करो।

113. **कु0 मुस्कान गढेवाल, ग्राम–लोखण्डी** :– कोल डिपो नहीं चाहिए। हम लोग को 11 वीं, 12वीं तक के शासकीय स्कूल चाहिए। हम लोग पढने के लिए 10 कि.मी. तक जाते है।

114. **श्री अश्वनी पटेल, ग्राम–लोखण्डी** :–क्या यहां पर कोल डिपो खुलने से पहले रोजगार नहीं मिलता था। कोल डिपो खुलने से विकास होगा। यहां पर रोजगार मिलेगा। यहां पर आवेदन में आधार कार्ड डलवा रहा है। इसको खोलना है कि सर्वेकर अनुमति दे। पुराना चल रहा है वो भी बंद हो। मैं भी विरोध करता हूॅ।

115. **श्री नंदनलाल भार्गव, ग्राम–लोखण्डी** :– भाटिया कोल वॉशरी बीमारी फैला रहा है। कोल डिपो बंद होना चाहिए। भाटिया कोल डिपो का विरोध कर रहा हूॅ, ये कोल डिपो बंद होना चाहिए। धान पूरा काला काला हो रहा है।

116. **श्री विर्रेन्द्र वस्त्रकार, ग्राम–लोखण्डी** :–भाटिया कोल वॉशरी का पूरी तरह से विरोध करना चाहता हूॅ। गांव में छत में कितना धूल जमा हुआ है। बगल में ईट भट्ठा है, स्कूल है। नहीं खुलना चाहिए। 90 प्रतिशत बोल रहे है कि नहीं खुलना चाहिए। विरोध करते है।

117. **लोखण्डी** :– से ज्यादा बाहर के लोग है। मैं पूर्ण विरोध करता हूॅ। कोई विकास नहीं हुआ है। धूल डस्ट बहुत खाये है। बस्ती में बहुत ज्यादा प्रदूषण है।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ तब लगभग 2:48 बजे अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोक सुनवाई के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से **श्री नरेश कुमार निसाद, ऐनाकॉन लेब्रोटरीज प्राईवेट लिमिटेड, नागपुर** मेसर्स भाटिया एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–लोखण्डी, तहसील–तखतपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) के द्वारा परियोजना के संबंध में लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये मुख्य मुद्दों के निराकरण हेतु मौखिक रूप से उपस्थित जन समुदाय को अवगत कराया गया। लगभग 3:00 बजे अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 112 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका –टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 117 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की

गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 200–300 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 102 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर,
कार्यालय कलेक्टर,
जिला–बिलासपुर (छ.ग.)